परिवार का अर्थ
(Meaning of Family)

परिवार के लिए घर, कुटुम्ब, गेह, सदन इत्यादि शब्दों का प्रयोग किया जाता है। यह मानव समाज की प्राचीनतम तथा आधारभूत इकाई है जिसमें बच्चे, युवा, वृद्ध सभी साथ मिल-जुलकर निवास करते हैं। परिवार के लिए अंग्रेजी में 'फैमिली' (Family) शब्द आता है जो 'फेमलस' (Famulus) से निष्पन्न है, जिसका अर्थ होता है—नौकर।

परिवार → Family → Famulus → नौकर

इस प्रकार कुछ प्राचीन परिवारों में पुश्तैनी काम करने वाले नौकरों को भी परिवार का अभिन्न अंग माना जाता था। परिवार के अन्तर्गत पति-पत्नी व उनके बच्चे तथा अपने जटिल रूप में परिवार के अन्तर्गत माता-पिता, दादा-दादी, बुआ, ताऊ-ताई, चचेरे भाई-बहन इत्यादि आते हैं।

परिभाषाएँ (Definitions)

परिवार के अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिए कुछ परिभाषाएँ दृष्टव्य हैं—

मैकाइवर तथा पेज के अनुसार (According to MacIver and Page)— *"परिवार एक ऐसा समूह है जो पर्याप्त रूप से लैंगिक रूप से लैंगिक सम्बन्ध पर आधारित होता है तथा जो इतना स्थायी होता है कि इसके द्वारा बालकों के जन्म तथा पालन-पोषण की व्यवस्था हो जाती है।"*

"The Family ia a group defined by sex relationship sufficiently precies and endning to provide for the procreation and upbringing of children."

क्लेयर के अनुसार (According to Clear)— *"परिवार से हम सम्बन्ध की वह व्यवस्था समझते हैं जो माता-पिता तथा उनकी सन्तानों के मध्य पायी जाती है।"*

"By Family we mean a system of relationship existing between parents and children."

✓ परिवार की विशेषताएँ
(Characteristics of Family)

उपर्युक्त विवेचन के पश्चात् परिवार की निम्नांकित विशेषताएँ दृष्टिगत होती हैं—

(1) लैंगिक सम्बन्ध पर आधारित होता है।

(2) स्थायी होता है।

(3) पालन-पोषण तथा भरण-पोषण हेतु उत्तरदायी होता है।

Scanned with CamScanner

(4) एकात्मक तथा संयुक्त दोनों ही रूपों में पाया जाता है।
(5) स्त्री-पुरुष दोनों की महत्ता होती है जिससे लैंगिक भेदभावों में कमी आती है।
(6) बालकों की प्राथमिक पाठशाला होती है।
(7) रक्त सम्बन्धों पर आधारित होती है।
(8) मानव समाज की आधारभूत इकाई है।

परिवार का महत्त्व
(Importance of Family)

परिवार किसी भी देश की सामाजिक संरचना का ही नहीं अपितु सांस्कृतिक, आर्थिक तथा राजनैतिक इत्यादि की संरचना में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। कोई भी मनुष्य चाहे वह कितना भी सक्षम हो, परन्तु उसे परिवार की आवश्यकता होती है। बिना परिवार के व्यक्ति के जीवन की कल्पना करना भी मुश्किल है। परिवार का महत्त्व जानने से पूर्व इसके प्रकार जानना अत्यावश्यक है। **परिवार के दो प्रकार—संयुक्त परिवार,** जिसमें माता-पिता के अतिरिक्त अन्य रक्त सम्बन्धी दादा-दादी, चाचा-चाची आदि रहते हैं और **एकाकी परिवार,** जिसमें माता-पिता और उनकी सन्तानें रहती हैं। वर्तमान में आर्थिक गतिविधियों के परिणामस्वरूप एकाकी परिवारों का प्रचलन बढ़ा है। आर्थिक तथा सामाजिक आदि गतिविधियों के आधार पर भी हम **गतिशील परिवार** अर्थात् जो समय के साथ-साथ चलते हैं और परिवर्तनशील हैं, दूसरे **रूढ़िवादी परिवार** जो समय के साथ-साथ अपनी मान्यताओं, सोच तथा दृष्टिकोण में परिवर्तन नहीं लाते हैं। इसी कारण इस प्रकार के परिवार पीछे रह जाते हैं। परिवार चाहे जिस प्रकार का भी हो, उसका महत्त्व बालक के जीवन में समाज और राष्ट्र के लिए अत्यधिक है। परिवार के महत्त्व का आंकलन निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत प्रस्तुत किया जा सकता है—

(1) बालक परिवार में ही उत्पन्न होता है। इस दृष्टि से परिवार महत्त्वपूर्ण है।
(2) बालकों के पालन-पोषण का कार्य परिवार में सम्पन्न होने की दृष्टि से भी परिवार महत्त्वपूर्ण है।
(3) परिवार से ही रहन-सहन, बोलचाल इत्यादि की शिक्षा मिलती है। अतः यह जीवन की प्राथमिक पाठशाला के रूप में महत्त्वपूर्ण है।
(4) परिवार से ही संवेगात्मक तथा मनोवैज्ञानिक सुरक्षा प्राप्त होती है।
(5) परिवार चारित्रिक उन्नति, व्यक्तित्त्व विकास तथा समुचित शिक्षा की व्यवस्था करने के कारण महत्त्वपूर्ण है।
(6) समाजीकरण (Socialization) की प्रक्रिया परिवार में ही सम्पन्न होती है। प्रेरणा तथा सीखने के लिए वातावरण का सृजन परिवार द्वारा किया जाता है।
(7) कर्त्तव्यनिष्ठा, त्याग, धैर्य, ईमानदारी, सहयोग तथा परोपकार आदि गुणों का विकास परिवार में रहकर ही सम्भव है।
(8) परिवार बालक का स्वाभाविक विकास करने के कारण महत्त्वपूर्ण है।
(9) अनुशासन की नींव परिवार से ही पड़ती है अतः परिवार महत्त्वपूर्ण है।
(10) सामाजिक उत्तरदायित्व तथा देश-प्रेम की भावना का विकास परिवार में ही होता है।
(11) समानता तथा न्याय के आदर्शों का विकास परिवार में ही होता है।
(12) परिवार में ही जाँति-पाँति, ऊँच-नीच इत्यादि संकीर्ण विचारों से मुक्त होकर उदारता की शिक्षा प्राप्त होती है।
(13) परिवार लैंगिक मुद्दों पर संवेदनशीलता तथा समानता का दृष्टिकोण विकसित करने की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है।

Scanned with CamScanner